

26



## न्यायालय राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

प्र.कं

/2017 पुनर्विलोकन

1321-II-17

1. आत्माराम पुत्र स्व. शेषमणि बैसवार
  2. मथूराराम पुत्र स्व. शेषमणि बैसवार
- दोनों निवासी ग्राम ओड़गड़ी तहसील देवसर  
जिला सीधी (म.प्र.)

..... आवेदकगण

विरुद्ध

1. बुद्ध सिंह पुत्र बाबूलाल सिंह
  2. सहदेव पुत्र बाबूलाल सिंह
- दोनों निवासी ग्राम बाधाडीह तहसील देवसर  
जिला सीधी (म.प्र.)

..... अनावेदकगण

श्री. महेश चन्द्र शर्मा द्वारा आज दि. 4-5-17 को प्रस्तुत

के.सी. जैन  
पब्लिक ऑफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

माननीय सदस्य श्री के.सी. जैन राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर द्वारा निगरानी प्र.कं. 36-तीन/97 में पारित आदेश दिनांक 14.7.16 के विरुद्ध म.प्र. भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 के अंतर्गत पुनर्विलोकन आवेदन।

माननीय महोदय,

आवेदकगण का निम्नानुसार निवेदन है कि :-

- 1- यह कि, इस माननीय न्यायालय द्वारा पारित आक्षेपित आदेश में कुछ ऐसी प्रत्यक्षदर्शी त्रुटियां हैं जिनके कारण आदेश पुनर्विलोकन योग्य है।
- 2- यह कि, आवेदक द्वारा प्रस्तुत निगरानी मेमो एवं किये गये मौखिक तर्कों पर विचार एवं विनिश्चयन माननीय न्यायालय द्वारा अपने आदेश में नहीं किया गया है इस कारण इस माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश पुनर्विलोकन योग्य है।

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

भाग-अ

प्रकरण क्रमांक रिव्यु 1321-दो/2017 जिला -सीधी

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
11-01-18	<p>आवेदक अधिवक्ता श्री मुकेश भार्गव उपस्थित। आवेदक के अधिवक्ता ने प्रकरण की ग्राह्यता पर तर्क प्रस्तुत किये। आवेदक के अधिवक्ता के तर्क श्रवण किये तथा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया।</p> <p>2-यह रिव्यु आवेदन पत्र इस न्यायालय के प्रकरण क्रमांक निगरानी 36-तीन/1997 में पारित आदेश दिनांक 14.7.16 के विरुद्ध प्रस्तुत प्रकरण क्रमांक रिव्यु 1321-दो/2017 के तथ्यों पर आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने।</p> <p>3- आवेदक की ओर से पुनर्विलोकन आवेदन में उन्हीं तथ्यों को दोहराया गया है जो प्रकरण क्रमांक निगरानी 36-तीन/97 में वर्णित है। जिनका निराकरण आदेश दिनांक 14.7.16 से किया जा चुका है।</p> <p>4- प्रकरण क्रमांक रिव्यु 1321-दो/2017 में प्रो भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 में पुनर्विलोकन में जो आधार बताये गये हैं।</p>	

//2// रिब्यु 1321-दो/17

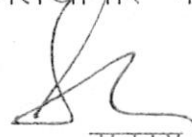
उनके विद्यमान होने पर ही रिब्यु आवेदन स्वीकार किया जा सकता है:-

अ- नई एवं महत्वपूर्ण बात/साक्ष्य का पता चलना जो उस समय जब आदेश पारित किया गया था, सम्यक तत्परता के पश्चात भी नहीं मिल पाई थी।

ब- अभिलेख से प्रकट कोई भूल/गलती।

स- कोई अन्य पर्याप्त कारण।

आवेदक ने रिब्यु का जो आवेदन प्रस्तुत किया है। उसके परीक्षण से उक्तांकित आधारों में से कोई आधार विद्यमान होना नहीं पाया जाता है इसलिये इस रिब्यु आवेदन में कोई बल नहीं होने से यह रिब्यु प्रकरण अग्राह्य किया जाता है। उभय पक्ष सूचित हों। राजस्व मण्डल का प्रकरण संचय हेतु अभिलेखागार में भेजा जावे।

  
सदस्य

